हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

12 महापुरुषों और वीर शहीदों का जीवन प्रेरणा का स्रोत: बेदी

12 ड्रग विभाग की कार्रवाई मेडिकल स्टोर किया सील

प्रकाशमय कल के लिए

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025
बिजनेस डेस्क

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड के फायदे

■ **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
■ **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
■ **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
■ **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
■ **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

■ **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
■ **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
■ **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

■ **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
■ **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
■ लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया
■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें
■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।" इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो छोटे व्यवसाय पूरी तरह से उबर ही नहीं पाते।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस

आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए बनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। "पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तय सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप भुगतान सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिकॉर्ड की जरूरत नहीं होती, इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है।" जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसे मिल जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा नहीं, बल्कि जरूरत बनाता क्लाइमेट इंश्योरेंस

क्लाइमेट इंश्योरेंस को अब सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए एक बुनियादी सुरक्षा उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न सिर्फ उनकी आमदनी की रक्षा करता है, बल्कि आपदा के बाद जल्दी संभलने में भी मदद करता है। अचानक आने वाले जलवायु से जुड़े झटकों के बावजूद कारोबार को जारी रखने में यह अहम भूमिका निभाता है। बदलते मौसम और बढ़ती अनिश्चितताओं के दौर में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए क्लाइमेट इंश्योरेंस एक ऐसा सहारा बन सकता है, जो मुश्किल समय में उन्हें पूरी तरह टूटने से बचाए और फिर से आगे बढ़ने का भरोसा दे।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संभालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकता है। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इमरजेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपको सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकासी नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विदड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

खबर संक्षेप

वीर बाल दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

सिरसा। वीर बाल दिवस पर रहमत वैष्णो ढाबा, ट्रांसपोर्ट चेयरमैन, ट्रक एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से स्थानीय अनाज मंडी में शिव शक्ति ब्लड सैंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया। आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान प्रेम बजाज और एसोसिएशन के सदस्यों ने इस रक्तदान शिविर में रक्तदान किया। इस अवसर पर आढ़तियान एसोसिएशन के उप प्रधान राजू सुधा, महासचिव राजेंद्र नढा, कोषाध्यक्ष कृष्ण गोयल सहित अन्य मौजूद रहे।

डीएवी पुलिस स्कूल में विंटर कार्निवल आज

फतेहाबाद। पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस स्कूल में 28 दिसंबर को विंटर कार्निवल का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर फूड स्टॉल, रोमांचक गेम्स, और टैलेंट हंट जैसी कई दिलचस्प गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी देते हुए स्कूल प्रिंसीपल अमिता सिंह ने दी।

किन्नू चोरी मामले में एक और युवक पकड़ा

फतेहाबाद। गांव किरढान में किन्नु के बाग से करीब 40 क्विंटल किन्नु चोरी करने के मामले में भट्टूकलां पुलिस ने एक ओर युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान मनोज कुमार पुत्र बंसीलाल निवासी किरढान के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि 17 दिसंबर को नवनीत गोदारा पुत्र नेमचंद गोदारा निवासी किरढान द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई थी।

भूमि विवाद में दो युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। भूमि विवाद और हिंसक झगड़े से जुड़े एक मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो युवकों को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अजमेर सिंह पुत्र सोदागर, निवासी भिरान, तहसील भदरा और सोहन पुत्र जोगेंद्र, निवासी नईवाला, तहसील पटाड़ा शामिल हैं। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि यह कार्रवाई रामफल पुत्र जयलाल और उनके परिवार के खिलाफ जमीन हड़पने की नीयत से किए गए हमले के सिलसिले में की गई।

जाखल मंडी में चोरी के मामले में युवक पकड़ा

फतेहाबाद। जाखल मण्डी में हुई चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए जाखल पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान गुरबक्श उर्फ भालु पुत्र मेजर सिंह, निवासी नई बस्ती, जाखल के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन व नकद राशि बरामद की है।

कम्यूटेशन को लेकर कोर्ट के फैसले को सराहा

टोहाना। हरियाणा सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर खुशी जताई है जिसमें कर्मचारियों की पेंशन से कम्यूटेशन राशि 15 वर्ष तक 180 किस्तों में ली जाती थी अब किस्त संख्या घटाकर 10 वर्ष 8 मास अर्थात 128 किस्त कर दिया है। न्यायालय के निर्णय से लाखों कर्मचारियों को फायदा होगा।

भाजपा द्वारा नागपुर में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के विचार आज भी देश को दे रहे नई दिशा : जोड़ा

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गांव नागपुर में भाजपा द्वारा अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ता के रूप में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य व चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा ने शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने की।

विशेष अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा व जिला परिषद चेयरपर्सन सुमन खिचड़ उपस्थित रहे।

मंच संचालन जिला महामंत्री विकास ललौदा ने किया। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने सिद्धांतों और राष्ट्रहित की राजनीति को नई पहचान दी। अटल जी की सोच 'सबका साथ, सबका विकास' आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही है। दुग्गल ने कहा कि भाजपा सरकार जनकल्याण, गरीब उत्थान और राष्ट्र सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अटल जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

रतिया। नागपुर में अटल स्मृति सम्मेलन का शुभारंभ करते बीजेपी नेता।

भूना। नहला के विद्यार्थी अटल जी पर आधारित तैयार की गई कविता दिखाते हुए।

जीवन राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा

बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा की विचारधारा के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने कहा कि अटल जी ने राजनीति में शुचिता, मर्यादा और राष्ट्रभक्ति की मिसाल कायम की। चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अंत्योदय और सुशासन की मजबूत नींव रखी। आज भाजपा सरकार उसी मार्ग पर चलते हुए देश को आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर विज्ञान सागर बाघला, निर्मल सिंह, कंवल चौधरी, संदीप तनेजा, अंकित सिंगला, संदीप भोडिया, लखविंद्र सिंह, महेश खन्ना, नरेश टिट्टू, प्रताप सिंह, बिट्टू गुर्जर, परवीन कुमार, अमृतपाल सिंह खुम्बर, राजकुमार मेहता चेयरमैन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अटल जयंती पर भूना के स्कूलों में हुए कार्यक्रम

भूना। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर ब्लॉक भूना के अनेक सरकारी व निजी स्कूलों में जीवनी, कविता, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अटल जी के विचारों, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से अवगत कराना रहा। इन आयोजनों में डायमंड इंटरनेशनल स्कूल नहला, न्यू सन राइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल भूना, आदर्श भारती इंटरनेशनल स्कूल भूना, शांति निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल भूना, राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल भूना, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढाणी गोपाल, राजकीय स्कूल गोरखपुर तथा लॉर्ड कृष्णा सीनियर सेकेंडरी स्कूल भूना में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिला प्रतियोगिता संयोजक बलदेव सिंह सैनी और मंडल संयोजक सुरेंद्र खिचड़ ने सभी स्कूलों के निदेशकों, प्राचार्यों व स्टाफ का सहयोग के लिए आभार जताया। न्यू सन राइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल भूना में डायरेक्टर अजय रेवड़ी व प्रिंसिपल नेहा ने, डायमंड इंटरनेशनल स्कूल नहला में चेयरमैन मेवा सिंह व डायरेक्टर सतीश ने, शांति निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में डायरेक्टर जसवीर सिंह बेनीवाल ने, आदर्श भारती इंटरनेशनल स्कूल भूना के डायरेक्टर ने श्रद्धांजलि दी।

फतेहाबाद। ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के जिला कार्यकारिणी के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की बैठक

अरोड़ा को महासचिव, मेहता को जिला सचिव बनाया

■ फतेहाबाद की जिला कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की बैठक फतेहाबाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा की अध्यक्षता में हुई जिसमें संगठन के संस्थापक कमल हांडा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष धर्मपाल चावला ने प्रदेश अध्यक्ष औम प्रकाश चुघ से विचार विमर्श कर राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा व संस्थापक कमल हांडा की अनुमति व दिशा निर्देशन में फतेहाबाद जिला कार्यकारिणी का गठन किया। जिला कार्यकारिणी में परम अरोड़ा को जिला महासचिव, अजय मेहता को जिला सचिव, सुभाष मेहंदीरता को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा अशोक बाघला को मुख्य सलाहकार, पूर्ण परमेश्वर चोपड़ा, डॉ अवतार बजाज, यश बजाज, ईश सरना, सुदर्शन नरूला, राजकुमार फुटेला, अशोक नारंग व भीमसेन मेहता को जिला सलाहकार नियुक्त किया गया है। हेमराज बजाज, ओम प्रकाश कक्कड़, सुशील मेहता, सुभाष बुद्धिराजा को जिला कार्यकारिणी सदस्य, यश बत्रा को उप प्रधान विधानसभा, चन्द्र सिंह बतरा विधानसभा सलाहकार बनाये गए हैं। बैठक में हरियाणा-पंजाब-चंडीगढ़ के कानूनी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कुकरेजा सहित अन्य मौजूद रहे।

आभार जताया

नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों ने संगठन के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ज्योति कमल हांडा, राष्ट्रीय महासचिव परमजीत कोचर, प्रदेश अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष का आभार जताया है और उन सबको विश्वास दिलाया है कि जो भरोसा उन्होंने हम पर जताया है उस भरोसे को टूटने नहीं देंगे।

श्री श्याम भंडारे को लेकर मंथन

श्री खाटू धाम में 23 से 28 तक करेंगे श्रद्धालुओं की सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

श्री श्याम भंडारा ट्रस्ट की बैठक में आगामी फाल्गुन मेले के दौरान लगाए जाने वाले श्री श्याम भंडारे को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में भंडारे के आयोजन स्थल, व्यवस्था संचालन, प्रसाद वितरण, श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था, जल एवं चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा प्रबंध तथा स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भंडारे को इस प्रकार संचालित किया जाएगा ताकि दूर-दराज से आने वाले श्याम भक्तों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। प्रेस प्रवक्ता कमल सिंगला ने बताया कि श्री श्याम भंडारा श्री खाटू धाम राजस्थान में आगामी 23 फरवरी से 28 फरवरी तक तोरण द्वार के नजदीक लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भंडारे के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की संभावना को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में सामग्री, रसोई व्यवस्था एवं सेवा दल की तैयारी समय रहते सुनिश्चित की जाएगी।

सिरसा। बैठक करते श्याम भंडारा ट्रस्ट के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

49 फील्ड सर्वेयर की भर्ती के लिए आवेदन मांगे

भूना। हरियाणा के युवाओं को रोजगार से जोडऩे के उद्देश्य से हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से फील्ड सर्वेयर पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। काउंसिल ऑफ एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट के चेयरमैन हेमंत बैजलपुरिया ने बताया कि इस भर्ती के तहत कुल 49 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। नियुक्तियां प्रदेश के सात जिलों में की जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिलेवार पदों का वितरण किया गया है। सिरसा और फतेहाबाद जिले में 8-8 पद, जींद, कैथल, हिसार और चरखी दादरी में 7-7 पद तथा भिवानी जिले में 5 पद निर्धारित किए गए हैं। यह भर्ती पूरी तरह से एचकेआरएनएल के माध्यम से की जाएगी, जिससे युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत रोजगार का अवसर मिलेगा।

किसान सभा की बैठक, बीमा कम्पनियों से तुरंत बीमा क्लेम जारी करवाने की मांग

■ किसान बोले- बाढ़ से नुकसान होने का मुआवजा नहीं मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी भट्टूकलां की मीटिंग सुभाष चन्द्र भादु की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन मा. हनुमान सिंह ने किया।

मुख्य वक्ता जिला प्रधान विष्णु दत्त रहे। इस मौके पर रोहतास डुडी, अजय सिंह माचरा, मनीष गोरखपुरिया, हवा सिंह, सतपाल सिंह बिश्नोई, वजीर सिंह, विनोद कुमार, रिछपाल सिंह भादु भी मौजूद रहे। मुख्य वक्ता विष्णुदत्त ने कहा कि मीटिंग में फतेहाबाद जिले के भट्टू कलां इलाके में किसानों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और निर्णय लिया गया है कि इन समस्याओं के समाधान को लेकर 5 जनवरी को किसानों और मजदूरों की जनरल बाडी मीटिंग भट्टू कलां ताऊ देवीलाल पार्क में 12 बजे होगी। बैठक में रणनीति तैयार करेंगे।

भट्टूकलां। बैठक में भाग लेते किसान। फोटो: हरिभूमि

किसानों में रोष

किसान सभा द्वारा सरकार से मांग की जाएगी कि खराब फसलों का बीमा क्लेम बीमा कंपनियों द्वारा तुरन्त जारी किया जाए। जलभराव से बर्बाद हुई फसलों का अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है, जिससे किसानों में रोष है। इसके अलावा फसलों की सिंचाई के लिए नहरी पानी को सुचारू रूप से चलाने, सेम समस्या का स्थाई समाधान करवाने की मांग की।

कंवर सैन गुप्ता चौक की दयनीय हालत होने से समाज में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

टोहाना को नहरों की नगरी बनाने वाले कंवर सैन गुप्ता चौक की दयनीय हालत होने से समाज में रोष बना हुआ है। इसको लेकर संदीप गोयल ने सीएम नायब सैनी और स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल को ट्वीट करके समस्या का हल करने की मांग की है। संदीप गोयल ने बताया कि हर साल एक जनवरी कंवर सैन गुप्ता की जयंती को मनाया जाता है लेकिन प्रशासन की बेरुखी के चलते इस बार चौक की हालत दयनीय हो चुकी है। शहर को नहरों को नगरी बनाने वाले कंवर सैन गुप्ता ने मुख्य हेड टोहाना के बलियाला में बनवाया था।

संदीप गोयल ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री से ध्यान देने की अपील की

पत्थर टूट चुके

शहर में एकमात्र चौक कंवर सैन गुप्ता जी के नाम पर होने के बावजूद प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि चौक पर लगे पत्थर और ग्रिल टूटी हुई है। उन्होंने बताया कि मूर्ति को शीशे से ने ढकने के चलते धूल मिट्टी से मूर्ति खराब हो रही है लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद सो रहा है।

पुलिस ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

रतिया ट्रैफिक पुलिस ने धुंध और रात्रि के समय सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से एक व्यापक सुरक्षा अभियान चलाया। अभियान के दौरान विशेष ध्यान उन वाहनों पर दिया गया, जो रात के समय अंधेरे में सड़क पर चलते हैं और जिनमें रिफ्लेक्टर की अनुपस्थिति दुर्घटना का कारण बन सकती है। रतिया ट्रैफिक पुलिस के प्रभारी उपनिरीक्षक भीम ने बताया कि पुलिस टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों, स्कूल और अस्पताल मार्गों तथा हाईवे पर गश्त करते हुए वाहनों पर आवश्यक रिफ्लेक्टर लगवाए। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों के चालक और मालिकों को सड़क सुरक्षा के महत्व और रिफ्लेक्टर के लाभों के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

रतिया। वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाते पुलिस कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें

उपनिरीक्षक भीम ने बताया कि अभियान में कुल 500 से अधिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा, चालक और यात्री दोनों को सुरक्षा बेल्ट, हेलमेट और उचित गति का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया। पुलिस विभाग ने आगे कहा कि अभियान निरंतर जारी रहेगा और भविष्य में सभी संवेदनशील मार्गों पर ऐसी पहलकदमी दोबारा की जाएगी।

नॉन टीचिंग कर्मचारी संघ ने सीएम को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के नॉन टीचिंग कर्मचारी संघ ने सीएम नायब सिंह सैनी को एक मांग पत्र सौंपा है। संघ की मांग है कि हरियाणा राज्य के सभी विश्वविद्यालय के लिए जॉब सिक्योरिटी लागू की जाए। जगदीश लूना, सुनील गोदारा आदि ने बताया कि हरियाणा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत सभी अनुबंधित कर्मचारी पिछले कई वर्षों से पूरी निष्ठा ईमानदारी व लगन के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हम विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। सरकार ने विभागों, बोर्डों, निगमों और प्राधिकरणों के 1.20 लाख कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष तक नौकरी की गारंटी दी है, जो एक सराहनीय कदम है। किन्तु विश्वविद्यालयों के अनुबंधित कर्मचारियों को इस नियम के दायरे में शामिल न किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण है। कर्मचारियों की मांगों विश्वविद्यालयों के एचकेआरएनएल के लिए सेवा सुरक्षा कानून लाया जाए।

विवि में जॉब सिक्योरिटी लागू करने की मांग

आर्यभट्ट स्कूल में विद्यार्थियों को सेमिनार में दिए करियर टिप्स

परीक्षा के समय ध्यान, एकाग्रता और आत्मविश्वास बनाए रखें विद्यार्थी

करियर काउंसलर डॉ. राजकुमार नरवाल ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

बीघड़ रोड स्थित आर्यभट्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा नौवीं एवं दसवीं के विद्यार्थियों के लिए करियर जागरूकता एवं मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। सेमिनार का संचालन प्रख्यात करियर काउंसलर डॉ. राजकुमार नरवाल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक विकल्पों, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी तथा सही समय पर सही निर्णय लेने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. नरवाल ने कहा कि आज के दौर में केवल अंक ही नहीं, बल्कि सही दिशा, निरंतर परिश्रम और आत्मअनुशासन ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विशेष रूप से कक्षा 9 और 10 को जीवन की निर्णायक कक्षाएं बताते हुए कहा कि इसी स्तर पर विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य स्पष्ट कर लेने चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ ध्यान, एकाग्रता और आत्मविश्वास बनाए रखने की भी सलाह दी।

फतेहाबाद। आर्यभट्ट स्कूल में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते डॉ. नरवाल।

सकारात्मक सोच जरूरी : नरवाल

विद्यालय के निदेशक एवं प्रिंसिपल ने डॉ. नरवाल के विचारों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन सत्र विद्यार्थियों को सही मार्ग चुनने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।

सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार करना तथा उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढऩे के लिए प्रेरित करना रहा।

चौ. देवीलाल ने सर्वसमाज के हितों को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी : चौटाला

सिरसा। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि चौ. देवीलाल ने सदैव किसान, कमेरे, गरीब, नौजवान सहित सभी वर्गों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सर्वोच्च रखा और हमेशा उनके लिए कार्य किया। यही वजह है कि पूरे देश की राजनीति में उनका एक अलग नाम व अलग छवि है। अभय चौटाला शनिवार को गांव पन्नीवाला मोटा में चौधरी देवीलाल की प्रतिमा का अनावरण करने के उपरांत उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। अभय चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री रहते हुए किसानों के न केवल कर्जे माफ किए बल्कि उनकी फसलों के उचित भाव दिलवाए। साथ ही प्रदेश में हरिजनों के लिए गांव गांव चौपालों का निर्माण करवाकर उन्हें सामाजिक रूप से लाभान्वित किया। वृद्धों के लिए पेंशन का प्रावधान व घुमंतु जाति के बच्चों को शिक्षित करने के लिए उन्हें प्रतिदिन स्कूल जाने पर एक रुपया देने, किसानों के खेतों से मंडियों तक फसल ले जाने वाले ट्रैक्टरों को व्यवसायिक वाहनों की श्रेणी से हटवाकर उन्हें गड्डा घोषित करने सहित अनेकानेक ऐसी कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें लागू किया कि समाज का हर वर्ग उससे लाभान्वित हुआ। उन्होंने कभी भी राजनीतिक पदों का लालच नहीं किया और इसीलिए उन्होंने प्रधानमंत्री पद ठुकराकर देश की सेवा करना चुना।

धांगड़ में हनुमान मंदिर के ताले टूटे, चोरी का किया प्रयास

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे हिसार रोड स्थित गांव धांगड़ में चोरों ने शनिवार अलसुबह नानकपुरा हनुमान मंदिर में चोरी का प्रयास किया लेकिन चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका। चोर गैस कटर लेकर मंदिर पहुंचा था। उसने मंदिर के बाहर लगा एक ताला तोड़ दिया, लेकिन अंदर का ताला नहीं टूट पाने के कारण चोरी नहीं हो पाई। सुबह जब पुजारी मंदिर में आया तो उसे घटना का पता चला। घटना के बाद मंदिर समिति और श्रद्धालुओं में रोष है। लोगों ने पुलिस से मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने और रात्रि गश्त तेज करने की मांग की है। संदेह है कि किसी नशेड़ी किस्म के व्यक्ति ने चोरी का प्रयास किया है। वारदात से श्रद्धालुओं में गुस्सा है।

खबर संक्षेप

शहर में सुबह 10 से 2 बजे तक बंद रहेगी बिजली

फतेहाबाद। भट्टू रोड स्थित 33 केवी सब स्टेशन में मेंटेनेंस कार्य के चलते आज रविवार को सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक शहर में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इस दौरान मॉडल टाउन, योग नगर, भाटिया कॉलोनी, बीघड़ रोड, सुंदर नगर, तहसील चौक, थाना रोड, धर्मशाला रोड, जवाहर चौक, एसबीआई रोड, सिरसा रोड, रतिया चुंगी, सिविल हॉस्पिटल का एरिया की सप्लाई बाधित रहेगी। यह जानकारी दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम फतेहाबाद सिटी के एसडीओ ने दी।

एएनसी सेल ने हेरोइन सहित युवक को दबोचा

फतेहाबाद। नशा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एएनसी सेल फतेहाबाद ने एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। एएनसी सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि एएनसी टीम भट्टूकलां क्षेत्र में नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर गश्त पर थी। इसी दौरान गांव पीली मंदोरी से भट्टू रोड पर एक युवक पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध परिस्थितियों में पीछे मुड़कर चलने लगा। शक के आधार पर टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की।

चाकू से हमला करने पर नाबालिग गिरफ्तार

फतेहाबाद। नाबालिग छात्र पर चाकू से हमला करने के मामले में रतिया पुलिस ने नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा सिहाग ने बताया कि पीड़ित नाबालिग लडके को अग्रवाल धर्मशाला चौक के पास आरोपी नाबालिग ने अपने साथियों के साथ पीड़ित का रास्ता रोककर झगड़ा किया और चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया।

जरूरतमंद छात्राओं को जर्सी व बूट वितरित

रतिया। लोक चेतना मंच हरियाणा द्वारा राजकीय कन्या स्कूल में विशेष आवश्कता छात्राओं को जर्सी व बूट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में मंच के सलाहकार सुरजीत सिंह शिमलापुरी ने शिरकत की व बूट वितरित किए। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के चेयरमैन डॉ. नैब सिंह मंडेर ने की।

हेरोइन तस्करी के मुख्य आरोपी को किया पकड़ा

फतेहाबाद। नशा तस्करी के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान विनय उर्फ दिनेश पुत्र कृष्ण कुमार निवासी भोडिया खेड़ा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि आरोपी इसी नेटवर्क का मुख्य सप्लायर है, जिसके माध्यम से हेरोइन की सप्लाई की जाती थी। इससे पहले इसी प्रकरण में भंवर उर्फ काका को पकड़ा गया था।

18.50 लाख की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। साइबर ठगों द्वारा नेचुरल सिटी गैस के नाम पर 18.50 लाख की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान अपुर्व मिश्रा पुत्र अजय मिश्रा निवासी बरेली, उत्तर प्रदेश हाल निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है।

सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि संदीप कुमार पुत्र आत्मा राम, हिस्सेदार मोगा नंबर 97780-आर, रताखेड़ा रजवाह, गांव बनावली सौत्तर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार मुरब्बा नंबर 34//18-23-13 की पूर्वी ढोल पर रास्ते के साथ स्थाई रूप से चल रहे नहर के खाल को आरोपियों द्वारा गिरा दिया गया था।

मुख्य धाम बाबा भूमणशाह में महापरिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम

महापुरुषों और वीर शहीदों का जीवन प्रेरणा का स्त्रोत: बेदी

कैबिनेट मंत्री ने गद्दीनशीन बाबा ब्रह्मदास महाराज से आशीर्वाद लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। डेरा बाबा भूमणशाह में सत्संग करते बाबा ब्रह्मदास महाराज। फोटो : हरिभूमि

- गद्दीनशीन बाबा ब्रह्मदास महाराज ने उपस्थित संगत से सद्मार्ग पर चलने की अपील की

डेरा बाबा बाबा भूमणशाह संगर साधा में 278वें महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार को शिरकत करते हुए मत्था टेका और देश-प्रदेश के लिए सुख समृद्धि की कामना की। कैबिनेट मंत्री ने गद्दीनशीन बाबा ब्रह्मदास महाराज से आशीर्वाद लिया। गद्दीनशीन बाबा ब्रह्मदास महाराज ने उपस्थित संगत से सद्मार्ग पर चलने की अपील की। उन्होंने लोगों से नशा न करने तथा दूसरों को भी दूर रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने आमजन से पर्यावरण संरक्षण करने, बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने, बेटियों को शिक्षा और खेलों में प्रोत्साहन देने, गौ माता की सेवा करने और समाज में व्याप्त बुराइयां जैसे कन्या भ्रूण हत्या व दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों पर रोक लगाने का आग्रह किया।

वहीं, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि बाबा भूमणशाह महाराज हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उनका जीवन सदैव जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित रहा। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज और देश में फैली कुरीतियों का दृढ़ता से विरोध करना और देश सेवा में अपना योगदान देना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मंत्री ने यह भी कहा कि आज 278वें महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि महापुरुषों और वीर शहीदों का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनका साहस और समर्पण हमें समाज और देश के लिए कुछ करने का हौसला देता है। उन्होंने कहा कि हमें समाज और देश में फैली कुरीतियों का दृढ़ता से विरोध करना चाहिए और देश सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से शहीद उधम सिंह को युवाओं के लिए प्रेरणा का आदर्श बताया, जिनका पूरा जीवन देश सेवा में समर्पित रहा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्वामी संपूर्णानंद महाराज, संत महेश मुनी महाराज, जिलाध्यक्ष भाजपा यतिंद्र सिंह एडवोकेट, नगर परिषद सिरसा के चेयरमैन शांति स्वरूप, पूर्व एमएलए रामचंद कंबोज, कृष्ण कंबोज, उपनिदेशक कृषि डा. सुखदेव कंबोज, डीएसडब्ल्यूओ सत्यवान ढिलोड, डीडब्ल्यूओ राकेश कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज, पार्षद सुमन शर्मा, लालचंद, लाभचंद, चंद्र प्रकाश बोस्ती, संदीप मेहता, कश्मीर कंबोज, बलजिंदर जोशल, अंग्रेज औलख, प्रमोद कंबोज, बलवंत शैली, निर्मल सिंह मौजूद रहे।

ड्रग विभाग की कार्रवाई मेडिकल स्टोर किया सील

- मेडिकल संचालक को जारी किया जाएगा नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

शनिवार पुलिस के विशेष टीमों द्वारा शहर के संजय गांधी चौक स्थित जिंदल मेडिकल हॉल के सामने एक व्यक्ति से नशीली गोलियां बरामद होने व उक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के पश्चात दोपहर बाद पुलिस के उच्च अधिकारियों की सूचना पर दोपहर बाद ड्रग विभाग की टीम ड्रग इंस्पेक्टर दिनेश राणा के नेतृत्व में रतिया पहुंची व जिंदल मेडिकल हॉल को खंगाला। इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर व उनकी टीम द्वारा मेडिकल हॉल के अंदर रखी दवाइयां व अन्य दस्तावेजों की अच्छी तरह से जांच की, जांच के दौरान ड्रग विभाग की टीम को मेडिकल के अंदर कोई नशीली दवाई बरामद नहीं हुई। लेकिन रिकार्ड में कुछ खामियां पाई जाने के चलते ड्रग विभाग द्वारा उक्त मेडिकल हॉल को सील कर दिया गया और मेडिकल संचालक को नोटिस जारी कर निश्चित समय के अंदर अपना रिकॉर्ड ड्रग विभाग को दिखाने के लिए कहा जायेगा। जब इस बारे में ड्रग इंस्पेक्टर दिनेश राणा से बात की तो उन्होंने बताया कि पुलिस के उच्च अधिकारियों की सूचना पर उन्होंने उक्त मेडिकल हॉल का निरीक्षण किया था । निरीक्षण के दौरान उक्त मेडिकल पर नशे की कोई दवाई नहीं पाई गई, परंतु मेडिकल हॉल पर सेल परचेस व अन्य रिकॉर्ड से संबंधित कुछ खामियां पाई गई जिसको लेकर मेडिकल हॉल को सील कर दिया गया है। तथा मेडिकल संचालक को नोटिस जारी कर संबंधित रिकॉर्ड दिखाने के लिए कह जाये गया है।

संचालकों में हड़कंप

ड्रग इंस्पेक्टर दिनेश राणा ने मीडिया के माध्यम से मेडिकल संचालकों को स्पष्ट कहा कि अगर कोई भी मेडिकल संचालक नशे के तौर पर किसी नशीली दवाई की बिक्री करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं ड्रग विभाग की इस कार्रवाई के पश्चात अनेक मेडिकल संचालकों में हड़कंप मच गया।

चौटाला हाउस में कार्यकर्ताओं की बैठक

जेजेपी की जुलाना रैली से विरोधियों में खलबली: अजय

- जुलाना रैली में पहुंचने पर पदाधिकारियों का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। जजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेते हुए अजय चौटाला।

जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय चौटाला ने कहा कि पार्टी की स्थापना के अवसर पर हुई जुलाना रैली की सफलता से सभी विरोधी राजनीतिक दलों में खलबली है। अजय चौटाला शनिवार को चौटाला हाउस में रानियां हलके के जेजेपी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अजय चौटाला ने कहा कि जुलाना रैली की सफलता को विरोधियों ने स्वीकार किया है और इसकी सफलता के लिए उन्होंने रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने पर सभी पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। पदाधिकारियों को संगठनात्मक मजबूती के टिप्स देते हुए अजय चौटाला ने कहा कि वे सरकार की नाकामियों को तथा उन उपलब्धियों तक जन जन तक पहुंचाएं जो दुष्यंत चौटाला ने बतौर डिप्टी सीएम हरियाणा और प्रदेशवासियों के हितों के लिए किए।

एमएम स्कूल के नए सत्र के लिए संशोधित प्रवेश नीति जारी

ओढां। एमएम मैमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओढ़ा प्रबंधन ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संशोधित प्रवेश नीति लागू करने की औपचारिक घोषणा की है। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि प्रोस्पेक्टस आगामी 1 जनवरी 2026 से 25 जनवरी तक विद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक एवं रिसेप्शन काउंटर से उपलब्ध रहेंगे। इसके पश्चात प्रवेश परीक्षा 1 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। यह प्रवेश परीक्षा केवल कक्षा पहली से 6 तथा कक्षा 11 में प्रवेश के लिए मान्य होगी। विद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी 1 जनवरी से 25 जनवरी के बीच प्रोस्पेक्टस प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों की प्रवेश परीक्षा 1 फरवरी 2026 को ही ली जाएगी। इस व्यवस्था से प्रवेश प्रक्रिया को एक ही चरण में पूर्ण किया जा सकेगा।

हरियाणा में बढ़ते नशे पर सरकार ने गंभीर कदम नहीं उठाए : सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में लगातार बढ़ रहे नशे के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से ठोस और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। सांसद ने कहा कि नशा आज प्रदेश की युवा पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है और इसे हल्के में लेना भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असंतुलन का परिणाम है। जब तक सरकार नशे के मूल कारणों पर काम नहीं करेगी, तब तक इस पर नियंत्रण संभव नहीं है। नशे को लेकर जो गठजोड़ बना हुआ है जो नशा तस्करों का पोषण कर रहे है सबसे पहले उन पर पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता के साथ प्रहार करना होगा। सांसद ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी नशे को बढ़ावा देने वाला सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। आज हरियाणा में दो लाख से अधिक सरकारी पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार उन्हें भरने के प्रति गंभीर नहीं है। पढ़ा-लिखा युवा वर्षों तक रोजगार की प्रतीक्षा करता है और निराशा में गलत रास्ते की ओर चला जाता है।

सांसद कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि सबसे पहले खाली पड़े सरकारी पदों को शीघ्र भरा जाए ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके, बेरोजगारी की अवस्था में वह गलत राह पर जाने से बच सके। युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। नशा मुक्ति अभियानों को केवल औपचारिकता न बनाकर जमीनी स्तर पर लागू किया जाए। सामाजिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, प्रशासन और राजनीतिक दलों को साथ लेकर अभियान चलाया जाए।

हेरोइन सहित युवक को किया गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने गश्त के दौरान जेजे कॉलोनी क्षेत्र एक युवक को 6 ग्राम 36 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान जेजे कॉलोनी में पुलिया के पास मौजूद थी। इस दौरान जेजे कॉलोनी की ओर से एक युवक पैदल आता हुआ दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र खिसकने का प्रयास करने लगा। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जा से 6 ग्राम 36 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान मंगत राम पुत्र साधू राम निवासी ढाणी तेजा सिंह जिला सिरसा के रूप में हुई है।

टोहाना-कन्हड़ी रोड पर सफेद पट्टी गायब, हादसा होने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

टोहाना। सडक़ पर बना कटा।

शहर से गांव कन्हड़ी जाते समय नेशनल हाईवे 148 बी पर एमयूएच जैन स्कूल और कन्हड़ी बस स्टेंड के बीच में सडक़ पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से जो सफेद पट्टी न होने से हादसा होने का भय बना हुआ है। इसी क्षेत्र में सडक़ किनारे एक बड़ा कट लगा हुआ है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। प्रशासन को दोनों समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करना चाहिए ताकि कोई अनहोनी न हो। इस समस्या को लेकर शिकायत मेरी सडक़ एप्प पर भी भेज दी गई है ताकि प्रशासन जल्द इसकी सुध ले। वाहन चालक सुरेश व महेंद्र सिंह ने बताया कि धुंध के समय में यह कट दिखाई नहीं देता जिसके चलते कुछ समय पहले एक लोहे की एंगल से भरा ट्रक भी पलट गया था। प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

पंचायत समिति ओढ़ा के नव निर्वाचित चेयरमैन ने ली बैठक

- सभी गांवों में समान रूप से विकास कार्य करने के सुझाव दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

ओढां। पंचायत समिति ओढ़ा की बैठक लेते हुए चेयरमैन अभिमन्यु शर्मा व अमन मित्तल।

खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय ओढ़ा में शनिवार को नवनिर्वाचित चेयरमैन अभिमन्यु शर्मा की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों की पहली बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक कार्यकारी अधिकारी कम बीडीपीओ अमन कुमार मित्तल की उपस्थिति में आयोजित की गई। इस बैठक में पंचायत समिति के 20 में से 5 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में पंचायत समिति के सभी गांवों में समान रूप से विकास कार्य करने के सुझाव दिए गए। इस बैठक में कई गांवों में सोलर सिस्टम, पीने के पानी की पाइप लाइन, स्वागत गेट, स्ट्रीट लाइट, शैड व कुछ स्टेडियमो का सुधार करने पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर पंचायत समिति के सदस्य कृष्ण कुमार, अंजू शर्मा, अमरजीत सिंह, रमनदीप कौर, वीरपाल कौर, मनप्रीत सिंह, मीनू देवी, खुशदीप सिंह, वेन्ती, सुरेन्द्र कुकना आदि मौजूद रहे।

गाड़ी चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। चोरीशुदा गाड़ी सहित पकड़ा गया आरोपी।

पुलिस ने क्रेटा गाड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को चोरीशुदा गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि शक्ति नगर सिरसा निवासी ओमप्रकाश पुत्र संतराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते 26 दिसंबर को रिद्धि सिद्धि होटल सिरसा के सामने गाड़ी खड़ी करके होटल में चला गया था। कुछ समय बाद होटल से वापस आकर देखा तो गाड़ी कोई अज्ञात युवक चोरी करके ले गया। पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर शहर थाना सिरसा ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी । जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना शहर सिरसा की कीर्ति नगर पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटों में आरोपी अरुण उर्फ योगी पुत्र हरि सिंह निवासी गांव मोडिया खेड़ा जिला सिरसा को चोरीशुदा क्रेटा गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया।

सरपंचों को उनके किए गए विशेष सुधार कार्यों के लिए नामांकित किया

जिले के 6 सरपंचो को गणतंत्र दिवस पर मिलेगा विशेष अतिथि का सम्मान

बरसीन ग्राम पंचायत के मॉडल की सराहना करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए उदाहरण बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

एडवोकेट सुमन खीचड़।

गणतंत्र दिवस समारोह के लिए जिले के 6 सरपंचों का चयन किया गया है। इन सरपंचों को उनके द्वारा किए गए विशेष सुधार कार्यों के लिए विशेष अतिथि के रूप में नामांकित किया गया है। जिला परिषद फतेहाबाद की चेयरपर्सन एडवोकेट सुमन खीचड़ ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में जिले की बड़ी उपलब्धि साझा करते हुए दी। चेयरपर्सन ने विशेष रूप से बरसीन ग्राम पंचायत के मॉडल की सराहना करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए एक उदाहरण बताया। एडवोकेट सुमन खीचड़ ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना नहीं, बल्कि गांवों में सामाजिक बदलाव लाना है। बरसीन पंचायत ने जिस तरह से तकनीक और महिला सशक्तिकरण का समन्वय किया है, वह काबिले तारीफ है। इन सरपंचों का नामांकन अन्य पंचायतों के लिए एक प्रेरणा बनेगा। चेयरपर्सन ने बताया कि बरसीन पंचायत के सरपंच विकास कुमार के नेतृत्व में गांव ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बरसीन प्रदेश की इकलौती पंचायत है जहां 'बालिका पंचायत' का सफल संचालन हो रहा है। यह बेटियों को भविष्य के नेतृत्व के लिए तैयार करने का एक बड़ा मंच है। पूरे गांव को वाई-फाई सुविधा से लैस करना और चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगवाना सुरक्षा और आधुनिकता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पंचायत को राज्य स्तरीय पुरस्कारों में 5-स्टार रेटिंग प्राप्त है, जो इसके विकास की गुणवत्ता को दर्शाता है।

इन सरपंच होंगे सम्मानित

- विकास कुमार (बरसीन) : बालिका पंचायत, वाई-फाई, सीसीटीवी और 5-स्टार रेटिंग
- सोनिया (गांव दीवाना) : स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और स्वतंत्रता सेनानी विरासत
- मांगे राम (जल्लोपुर) : स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य
- अनीता रानी (नागपुर) : स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य
- प्रेरणा (दादुपुर): स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य
- सुमन (हुक्मावाली) : स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य

सरपंचों के कार्यों की दी जानकारी

एडवोकेट सुमन खीचड़ ने सूची में शामिल अन्य सरपंचों के कार्यों पर भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जाखल की दीवाना पंचायत की सरपंच सोनिया ने स्वच्छता और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य किया है। सोनिया स्वतंत्रता सेनानी स्व. रौनक सिंह के परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जो सेवा की भावना को दर्शाता है। इसके अलावा स्वच्छता के क्षेत्र में नागपुर ब्लॉक ने बाजी मारी है। यहां के चार सरपंचों मांगे राम जल्लोपुर, अनीता रानी नागपुर, प्रेरणा दादुपुर और सुमन हुकमावाली) को उनके बेहतरीन सफाई प्रबंधन के लिए चुना गया है। सुमन खीचड़ ने स्पष्ट किया कि इन सरपंचों का चयन पूरी तरह से योग्यता और उनके द्वारा जमीन पर किए गए कार्यों के आधार पर किया गया है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन मॉडल्स को जिले की अन्य 200 से ज्यादा पंचायतों में भी लागू करने की योजना तैयार की जाए।

प्राइवेट बसों में अब विकलांगों को नहीं किया जाएगा परेशान

रतिया। प्राइवेट बस परिचालकों द्वारा विकलांगों को तंग परेशान करने को लेकर विकलांगता अधिकार मंच के प्रतिनिधि मंडल व प्राइवेट बस मालिक को आपसी बातचीत करने के लिए आरटीओ कार्यालय फतेहाबाद में बुलाया गया। दोनों पक्षों में काफी विचार विमर्श करने के बाद सहमति बनी है। मंच के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि प्राइवेट बस परिचालकों द्वारा विकलांगों को अभ्रद भाषा के साथ परेशान करने व 100 प्रतिशत विकलांगता प्रमाण पत्र व बस पास होने के बावजूद टिकट काटने और बस से नीचे उतारने को लेकर विकलांग अधिकार मंच हरियाणा की जिला कमेटी द्वारा पिछले माह उपायुक्त और मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजा गया था।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
रोहतक रविवार
28 दिसंबर 2025
P-1
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

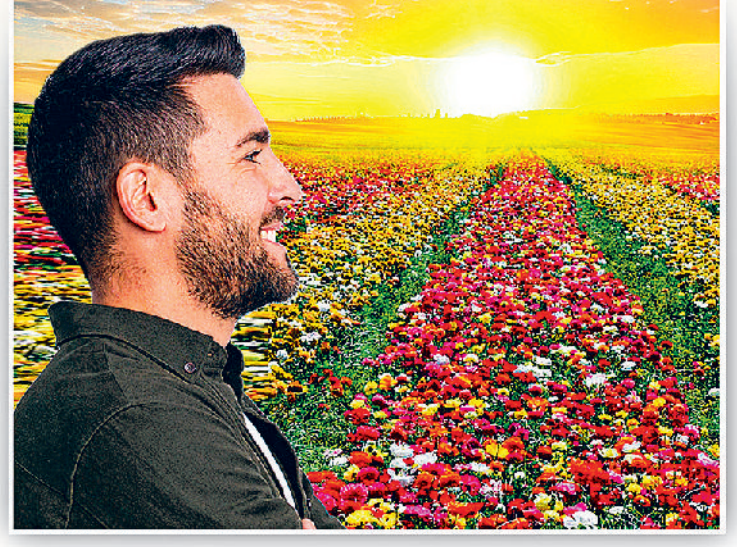

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

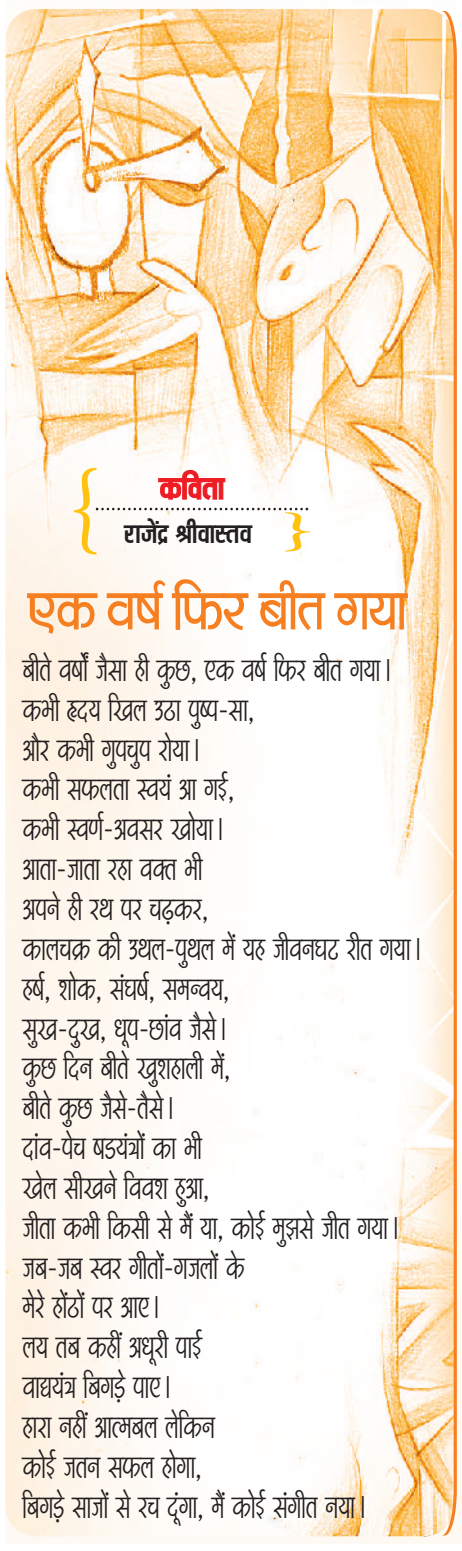

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

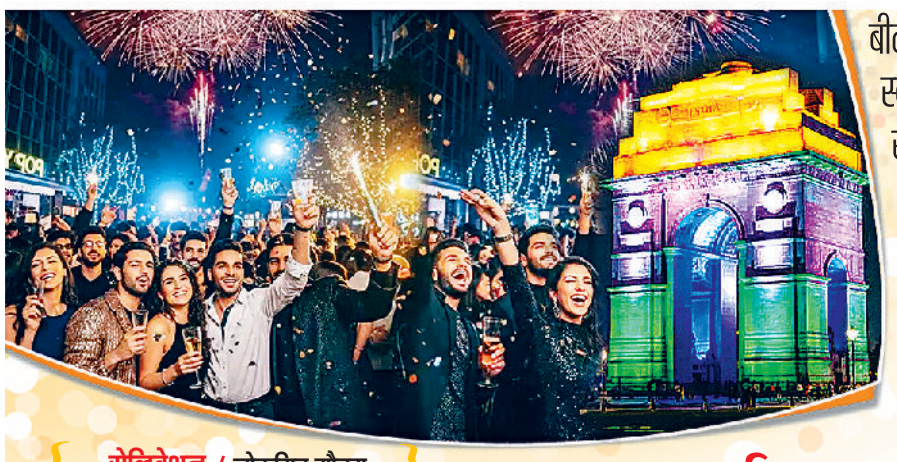

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

न्यू ईयर ईव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशनः दिल्ली की सर्दी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजपथ के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक फ्यूजन, न्यू ईयर ईव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और

पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसे यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीचः गोवा के समुद्रतटों पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकटें रिकॉर्ड बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागतः गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हुजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिसाइड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार

जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती हैं। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल तेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाईः जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैंडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गूंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।

शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंगः उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लग्जरी कैंप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिल्कुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।

बैंग्लुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाईः हाल के वर्षों

में बैंग्लुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप्स पर इंटी बैंड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्राफ्ट ब्रुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेशंस।

सजेशन / अंजू जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतें और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे इर्द-गिर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ कैसा व्यवहार किया?

एक्शनः नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगराइज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मेंटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंक वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इंवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए।

एक्शनः इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इंवॉल्व होंगे। स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नशे से दूर रहेंगे। मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें।

एक्शनः फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्योरेंस और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिशें असफल हो गईं। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का।

एक्शनः नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांवाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और कलीग्स के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है।

एक्शनः हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्वर्णिम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025

साल की शानदार अचीवमेंट्स

साइंस-टेक
संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वितः शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोरः इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखी। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया।

नवाचार की दिशा में बढ़े कदमः एआई और स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एसईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियांः हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडेक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

डीआरडीओ ने बढ़ाई रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरताः रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा जैसे स्वदेशी तकनीकी स्टार्टअप्स ने मिलकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। इन उपलब्धियों ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को काफी बढ़ाया। 2 दिसंबर 2025 को डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को घरेलू स्तर पर विकसित सात प्रौद्योगिकियां सौंपीं। टाटा-डीआरडीओ ने जल, थल दोनों पर चलने वाला बख्तरबंद वाहन विकसित किया है, इसके द्वारा विकसित इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित हथियार प्रशिक्षण प्रणाली और युद्ध सिमुलेशन ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बना दिया। डीआरडीओ ने वायु सेना के लिए एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर हेतु स्वदेशी हाई-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रणाली विकसित किया। भारतीय नौसेना को डीआरडीओ ने ऐसी समुद्री जल बैटरी प्रणाली सौंपी है कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियांः आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह क्वांटम प्रौद्योगिकी के वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है।

कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *

बॉलीवुड-2025
कैलाश सिंह

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकीं। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजहें और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्में फ्लॉप रहीं तो कुछ छोटे बजट की फिल्में भी सक्सेसफुल रहीं। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फासला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टैक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

बदल रही दर्शकों की पसंदः चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मदुरै, मालाप्पुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं है, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।'

नहीं चला कोई स्पेशल जॉनरः इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्में देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया वे हैं, 'एफ1,' 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग 4', 'डेमन स्लेयर' और 'फाइनल डेस्टिनेशनः ब्लडलाइंस।'

इस साल रिलीज सफल फिल्मेंः बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवांस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4 मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोखा', 'थुदारुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शनः बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्में अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रूपए) 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्में भी की गईं पसंदः इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप थ्रोबैक फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेंडिंग ओटीटी शोज

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक समानांतर दुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शोज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वारंट', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडाला मर्डर्स', 'खौफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'खाकी : द बंगाल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'क्रिमिनल जस्टिसः ए फैमिली मैटर' जैसे ओटीटी शोज को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)